छठी भारत-ओपेक ऊर्जा वार्ता

प्रिलिम्स के लिये:

पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन, OPEC+, नवीकरणीय ऊर्जा

मेन्स के लिये:

भारत के ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित चुनौतियाँ, भारत के ऊर्जा परिवर्तन को आकार देने वाली पहल

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यों?

भारत और पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (Organization of the Petroleum Exporting Countries- OPEC) के बीच **ऊर्जा वार्ता** के तहत छठी उच्च-स्तरीय बैठक 9 नवंबर, 2023 को **ऑस्ट्रिया के वियना में OPEC के सचिवालय** में आयोजित की गई।

- बैठक में तेल और ऊर्जा बाज़ारों के महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई।

भारत-OPEC ऊर्जा वार्ता की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- बैठक में तेल और ऊर्जा बाज़ारों से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें **उपलब्धता, सामर्थ्य तथा स्थिरता** सुनिश्चित करने पर विशेष ज़ोर दिया गया, जो कि ऊर्जा बाज़ारों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक हैं।
- बैठक दोनों पक्षों द्वारा **OPEC और भारत के बीच बढ़ते सहयोग** को बढ़ावा देने के महत्त्व को रेखांकित करने के साथ संपन्न हुई।
- **वर्ल्ड ऑयल आउटलुक 2023** का अनुमान है कि **भारत** की **अर्थव्यवस्था वर्ष 2022-2045 के बीच 6.1 प्रतिशत** की औसत **दीर्घकालिक वृद्धि के साथ सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख विकासशील अर्थव्यवस्था होगी** और उसी दौरान **वृद्धिशील वैश्विक ऊर्जा मांग 28 प्रतिशत से अधिक होगी।**
  - दोनों पक्षों ने वैश्विक आर्थिक विकास तथा ऊर्जा मांग में **तीसरे सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता**, **कच्चे तेल के आयातक** एवं **चौथे सबसे बड़े वैश्विक तेल शोधक** के रूप में **भारत** की महत्त्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।
- बैठक में नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था तथा जलवायु परिवर्तन शमन के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों एवं पहलों को भी स्वीकार किया गया।
- भारत-ओपेक ऊर्जा वार्ता के तहत अगली उच्च स्तरीय बैठक वर्ष 2024 में भारत में आयोजित करने पर सहमति बनी।

पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (OPEC) क्या है?

- **परिचय:**
  - पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (Organization of the Petroleum Exporting Countries- OPEC) एक स्थायी, अंतर-सरकारी संगठन है, जिसका गठन वर्ष 1960 में बगदाद सम्मेलन में ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब एवं वेनेज़ुएला द्वारा किया गया था।
    - इसका **मुख्यालय वियना, ऑस्ट्रिया** में है।
- **उद्देश्य:**
  - OPEC का उद्देश्य **सदस्य देशों के बीच पेट्रोलियम नीतियों का समन्वय एवं एकीकरण करना** है, ताकि पेट्रोलियम उत्पादकों के लिये **उचित व स्थिर कीमतें** सुनिश्चित की जा सकें; उपभोक्ता देशों को पेट्रोलियम की आर्थिक रूप से उचित तथा नियमित आपूर्ति की जा सके जिससे संबद्ध उद्योग में निवेश करने वालों को पूंजी पर उचित लाभ मिलेगा।
- **सदस्य देश:**
  - अल्जीरिया, अंगोला, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, ईरान, इराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात तथा वेनेज़ुएला इसके सदस्य हैं।

- OPEC के सदस्य देश विश्व के लगभग 30% कच्चे तेल का उत्पादन करते हैं।
  - **संगठन के अंतर्गत सऊदी अरब सबसे बड़ा एकल तेल आपूर्तिकर्त्ता है**, जो प्रतिदिन 10 मिलियन बैरल से अधिक तेल का उत्पादन करता है।

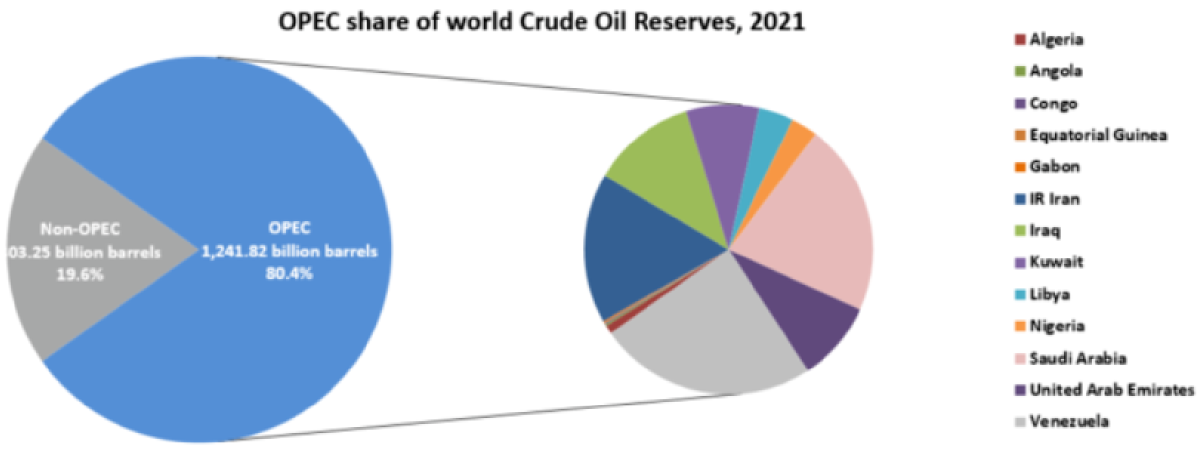

OPEC proven crude oil reserves , at end 2021 (billion barrels, OPEC share)

Venezuela	303.47	24.4%	United Arab Emirates	111.00	8.9%	Algeria	12.20	1.0%	Equatorial Guinea	1.10	0.1%
Saudi Arabia	267.19	21.5%	Kuwait	101.50	8.2%	Angola	2.52	0.2%			
IR Iran	208.60	16.8%	Libya	48.36	3.9%	Gabon	2.00	0.2%			
Iraq	145.02	11.7%	Nigeria	37.05	3.0%	Congo	1.81	0.1%			

Source: OPEC Annual Statistical Bulletin 2022

//

- **रिपोर्ट और आउटलुक:**
  - मासिक तेल बाज़ार रिपोर्ट, वार्षिक सांख्यिकीय बुलेटिन और विश्व तेल आउटलुक।
- **ओपेक प्लस:**
  - वर्ष 2016 में अमेरिकी शेल तेल उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के परिणामस्वरूप तेल की गिरती कीमतों के जवाब में **ओपेक ने 10 अन्य तेल उत्पादक देशों के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये,** जिसे अब **ओपेक प्लस** के रूप में जाना जाता है।
    - ओपेक प्लस में अब अज़रबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कज़ाखस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, रूस, दक्षिण सूडान और सूडान के साथ 13 ओपेक सदस्य देश शामिल हैं।
  - **ओपेक प्लस देश संयुक्त रूप से विश्व के कुल कच्चे तेल का लगभग 40% का उत्पादन करते हैं।**

Organization of the Petroleum Exporting Countries (OPEC)

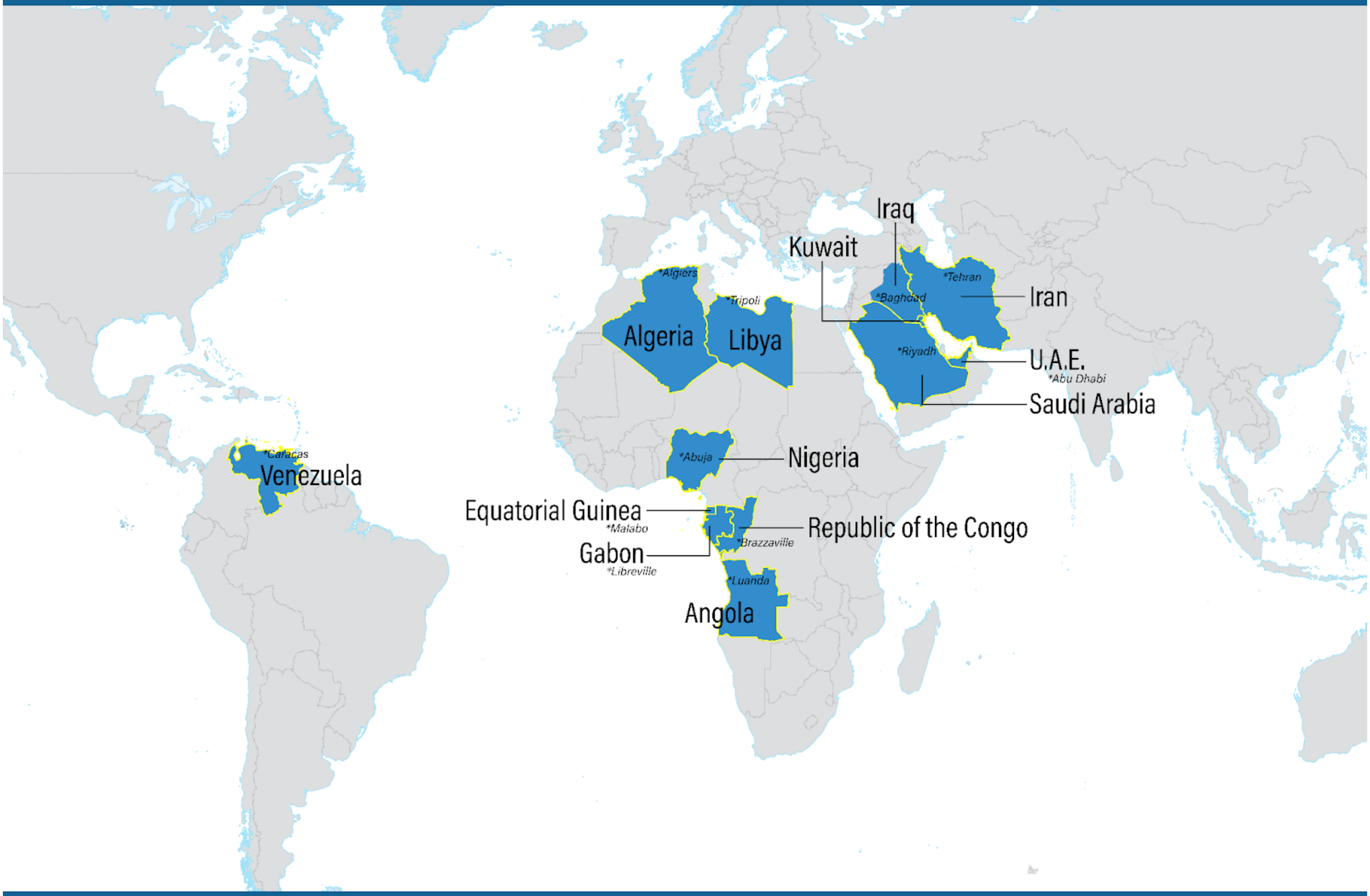

- Intergovernmental organisation, **created at the Baghdad Conference (1960)**
- Headquarter - **Vienna, Austria**
- **Current Members - 13**
- **Members who Quit - Ecuador** (2020), **Qatar** (2019), **Indonesia** (2016)
- **Membership - Open to any country** that is a substantial exporter of oil
- OPEC Fund for International Development – Only globally mandated development institution that provides **financing from member to non-member countries** exclusively.

सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष वर्ष के प्रश्न

[illegible]:

प्रश्न. "वहनीय, विश्वसनीय, धारणीय तथा आधुनिक ऊर्जा तक पहुँच सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त करने के लिये अनिवार्य है।" भारत में इस संबंध में हुई प्रगति पर टिप्पणी कीजिये। (2018)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/6th-india-opec-energy-dialogue